RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 266
दि. 28.01.2026, बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता संपन्न: भारत के वैश्विक व्यापार संबंधों में बड़ी रणनीतिक सफलता

(एजेंसी)।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष सुश्री उसुर्ला वॉन डेर लेयेन ने यूरोपीय नेताओं की भारत यात्रा के दौरान आयोजित 16वें भारत-यूरोपीय संघ सम्मेलन में आज संयुक्त रूप से भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (भारत-यूरोपीय संघ एफटीए) को संपन्न करने की घोषणा की। यह घोषणा भारत-यूरोपीय संघ के आर्थिक संबंधों और प्रमुख वैश्विक भागीदारों के साथ व्यापार के संबंध में ऐतिहासिक मील का पत्थर है।

यह मुक्त व्यापार समझौता भारत और यूरोपीय संघ को खुले बाजारों, पूवार्नुमान पर आधारित और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध विश्वसनीय भागीदारों के रूप में स्थापित करता है।

यह मुक्त व्यापार समझौता 2022 में वार्ता को पुनः शुरू किये जाने के बाद से हुई गहन चर्चा के उपरांत संपन्न हुआ है। एफटीए की घोषणा आज भारत और यूरोपीय संघ के बीच वर्षों की निरंतर बातचीत और सहयोग की परिणति का प्रतीक है जो एक संतुलित, आधुनिक और नियम-आधारित आर्थिक और व्यापार साझेदारी प्रदान करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और साझा दृष्टिकोण को प्रदर्शित करती है।

यूरोपीय संघ भारत के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदारों में से एक है जिसमें वस्तुओं और सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ रहा है। 2024-25 में यूरोपीय संघ के साथ वस्तुओं में भारत का द्विपक्षीय व्यापार 11.5 लाख करोड़ रुपये (136.54 बिलियन अमेरिकी डॉलर) था जिसमें 6.4 लाख करोड़ रुपये (75.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर) का निर्यात और 5.1 लाख करोड़ रुपये (60.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर) का आयात किया जा रहा था। सेवा क्षेत्र में भारत-यूरोपीय संघ का व्यापार 2024 में 7.2 लाख करोड़ रुपये (83.10 बिलियन अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया।

भारत और यूरोपीय संघ चौथी और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 25 प्रतिशत के बराबर हैं और वैश्विक व्यापार का एक तिहाई हिस्सा हैं। इस प्रकार, दो बड़ी, विविध और एक-दूसरे की संपूरक अर्थव्यवस्थाओं के एक साथ जुड़ने से व्यापार और निवेश के अभूतपूर्व अवसर पैदा होंगे।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने इस सिलसिले में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की रणनीतिक दूरदर्शिता और दृढ़ नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा:

'भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते का संपन्न होना भारत के आर्थिक क्रियाकलापों और वैश्विक दृष्टिकोण के संबंध में निर्णायक उपलब्धि का प्रतीक है। यह विश्वसनीय, पारस्परिक रूप से लाभप्रद और संतुलित साझेदारी को सुरक्षित करने के लिए भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करता है।

यह एक पारंपरिक व्यापार सौदे से आगे बढ़कर रणनीतिक आयामों के साथ व्यापक साझेदारी को व्यक्त करता है और सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौतों में से एक है। भारत ने 99 प्रतिशत से अधिक भारतीय निर्यात के लिए यूरोपीय संघ के व्यापारिक मूल्य के अनुसार अभूतपूर्व बाजार पहुंच सुनिश्चित किया है जो 'मेक इन इंडिया' पहल को भी बढ़ावा देता है। वस्तुओं के अतिरिक्त यह आवागमन के व्यापक ढांचे की सहायता से अति-महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताओं के लिए कुशल भारतीय पेशेवरों की निर्बाध आवाजाही को सक्षम करेगा।

भारत युवा और गतिशील कार्यबल और सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक से संचालित है। यह रोजगार सृजन करने, नवाचार को बढ़ावा देने, सभी क्षेत्रों में अवसरों को खोलने और वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए इस मुक्त व्यापार समझौते का लाभ उठाने के लिए तैयार है।'

भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते में वस्तुओं, सेवाओं, व्यापार संबंधी समाधानों, उत्पत्ति संबंधी नियमों, सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा के साथ-साथ एसएमई और डिजिटल व्यापार जैसे उभरते क्षेत्रों जैसे पारंपरिक क्षेत्र शामिल हैं।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता कपड़ा, परिधान, चमड़ा, जूते, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण, हस्तशिल्प, इंजीनियरिंग सामान और ऑटोमोबाइल जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को निर्णायक रूप से बढ़ावा देता है। समझौते के लागू होने पर लगभग 33 बिलियन अमरीकी डालर के निर्यात पर टैरिफ को 10 प्रतिशत तक कम कर दिया गया है। प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के अतिरिक्त यह श्रमिकों, कारीगरों, महिलाओं, युवाओं और एमएसएमई को सशक्त बनाता है जबकि भारतीय व्यवसायों को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक गहराई से एकीकृत करता है और वैश्विक व्यापार में एक प्रमुख खिलाड़ी और आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करता है।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र में यथोचित और सावधानी से तैयार कोटा आधारित ऑटो उदारीकरण पैकेज न केवल यूरोपीय संघ के वाहन निमार्ताओं को भारत में अपने मॉडल को उच्च मूल्य बैंड में पेश करने की अनुमति देगा बल्कि भविष्य में मेक इन इंडिया और भारत से निर्यात की संभावनाओं के द्वार भी खोलेगा। भारतीय उपभोक्ताओं को उच्च तकनीक वाले उत्पादों और अधिक प्रतिस्पर्धा से लाभ होगा।

यूरोपीय संघ के बाजार में

डबल इंजन सरकार में विकास अब एक परिवार की विरासत बन सीमित नहीं रहेगा, बल्कि समग्र प्रदेश को विकास के साथ जोड़ने का कार्य किया जाएगा : सीएम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज जनपद गोरखपुर में लगभग ₹250 करोड़ की लागत से नवनिर्मित बरगदवा चौराहे से जेल रोड पर नकहा जंगल-मानीराम स्टेशनों के मध्य स्थित 4-लेन रेल उपरिगामी सेतु एवं बरगदवा-कौवाबाग जेल बाईपास के 4-लेन मार्ग पर स्थित खजांची चौराहे के फ्लाईओवर का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डबल इंजन सरकार में विकास अब किसी एक जनपद या एक परिवार की विरासत बनकर सीमित नहीं रहेगा, बल्कि समग्र प्रदेश को उस विकास के साथ जोड़ने का कार्य किया जाएगा।

इन परियोजनाओं के लोकार्पण से गोरखपुर-महराजगंज और आसपास की लगभग 15 लाख आबादी को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। साथ ही, गोरखपुर मेडिकल कॉलेज आने वाले मरीजों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।

राष्ट्रीय आदर्श युवा ग्राम सभा पुरस्कार नई दिल्ली में प्रदान किए जाएंगे

पंचायती राज मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय और जनजातीय कार्य मंत्रालय के सहयोग से, 28 जनवरी, 2026 को नई दिल्ली में मॉडल युवा ग्राम सभा के विजेताओं को सम्मानित करने के लिए एक राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह का संयुक्त रूप से आयोजन करेगा। केंद्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान, मॉडल युवा ग्राम सभा पहल की परिवर्तनकारी यात्रा का दस्तावेजीकरण करने वाले एक विस्तृत संकलन का भी विमोचन किया जाएगा।

भारतीय और यूरोपीय संघ के रक्षा उद्योगों को व्यापक वैश्विक हित के लिए अपने प्रयासों में समन्वय स्थापित करना चाहिए : श्री राजनाथ सिंह

(एजेंसी)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 27 जनवरी, 2026 को नई दिल्ली में यूरोपियन यूनियन आयोग की उच्च प्रतिनिधि/उपाध्यक्ष सुश्री काजा कल्लास से मुलाकात की। इस बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा मुद्दों के विस्‍तृत दायरे पर चर्चा की। श्री सिंह ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ लोकतंत्र, बहुलवाद और कानून के शासन के सिद्धांतों को साझा करते हैं, जो उनकी निरंतर गहरी होती साझेदारी का आधार हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत इन्हीं मूल्यों को वैश्विक स्थिरता, सतत विकास और समावेशी समृद्धि के लिए व्यावहारिक सहयोग में बदलना चाहता है।

श्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक हित के लिए भारतीय और यूरोपीय संघ के रक्षा उद्योगों को अपने प्रयासों में तालमेल बैठाना चाहिए। यह सहयोग भारत के 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन का पूरक है तथा साथ ही यूरोपीय संघ की रणनीतिक स्वायत्तता की आकांक्षा के अनुरूप भी है। यह साझेदारी विश्वसनीय रक्षा इकोसिस्टम और भविष्य के लिए तैयार क्षमताओं के निर्माण हेतु आपूर्ति श्रृंखलाओं को एकीकृत करके एक फोर्स 'मल्टीप्लॉयर' साबित होगी। उन्होंने कहा कि भारत का रक्षा उद्योग यूरोपीय संघ की 'री-आर्म पहल' में एक सार्थक भूमिका निभा सकता है, विशेषकर ऐसे समय में जब यूरोपीय संघ आपूर्तिकताओं में तेजी से

विविधता लाने और निर्भरता से जोखिम कम करने की दिशा में प्रयासरत है। उन्होंने सुश्री कल्लास की भारत यात्रा को विशेष बताते हुए कहा कि ये भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर हो रही है।

सुश्री काजा कल्लास ने भारत के 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने का अवसर देने के लिए आभार व्यक्त किया, विशेषकर कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में यूरोपीय संघ की उपस्थिति के लिए पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ को हिंद महासागर क्षेत्र में मिलकर काम करना चाहिए और संयुक्त अभ्यासों के माध्यम से एक-दूसरे की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों से सीखना चाहिए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुग्राम स्थित भारतीय नौसेना के सूचना संलयन केंद्र-हिंद महासागर क्षेत्र (आईएफसी-आईओआर) में एक संपर्क अधिकारी की तैनाती के यूरोपीय संघ के प्रस्ताव का स्वागत किया।

एसआईआर के खिलाफ ममता बनर्जी का कोलकाता से दिल्ली तक हल्ला बोल, ईडी दफ्तर के सामने देंगी धरना

(एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (रक्क्र) के खिलाफ ममता बनर्जी एक्शन मोड में हैं। तृणमूल कांग्रेस और चुनाव आयोग के बीच टकराव लगातार बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अब इस मुद्दे पर कोलकाता से लेकर दिल्ली तक संग्राम के मूड में हैं। खबर है कि पश्चिम बंगाल की सीएम अब दिल्ली में चुनाव आयोग के दफ्तर के सामने धरना देंगी।

करीब 1.5 करोड़ मतदाताओं को नोटिस जारी होने के बाद उन्होंने रक्क्र के खिलाफ आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। राज्य में विरोध दर्ज कराने के बाद ममता बनर्जी दिल्ली पहुंचकर चुनाव आयोग और बीजेपी से दो-दो हाथ के मूड में हैं।

डायमंड हार्बर से टीएमसी सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी मंगलवार शाम को दिल्ली के लिए रवाना हो रहे हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, वह ममता बनर्जी के साथ मिलकर चुनाव आयोग के खिलाफ प्रस्तावित विरोध कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। अभिषेक रक्क्र के खिलाफ लगातार मुखरता से सवाल उठा रहे हैं। दोनों शीर्ष नेता 3 फरवरी तक दिल्ली में रह सकते हैं। बताया जा रहा है कि इस दौरान वह

विपक्षी दलों को भी अपने समर्थन में लामबंद करने की कोशिश करेंगी।

पहले ममता बनर्जी का फरवरी में दिल्ली आने का कार्यक्रम था। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, मौजूदा हालात को देखते हुए इसे अब पहले ही शिफ्ट कर दिया गया है। रक्क्र प्रक्रिया के तहत लगभग 1.5 करोड़ वोटरों को 'लॉजिकल डिफरेंस' और 'अनमैप्ड' श्रेणी में नोटिस जारी किए गए हैं। इन वोटरों को राज्यभर में बनाए गए हियरिंग सेंटरों पर पेश होने को कहा गया है। इससे सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी ने गंभीर आपत्ति जताई है।

टें३ इंल्लीॠी के कार्यक्रम की टीएमसी कर रही तैयारी

– सूत्रों के अनुसार, ममता बनर्जी के दिल्ली पहुंचने के बाद उनके कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

– टीएमसी सांसद और पार्टी नेता गुरुवार से चुनाव आयोग के दफ्तर के सामने धरना दे सकते हैं और चुनाव आयोग से रक्क्ररोकने की मांग करेंगे।

– ममता बनर्जी पहले ही मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इस मुद्दे पर पत्र लिख चुकी हैं और इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए खतरनाक करार दे चुकी हैं।

एसआईआर की प्रक्रिया 4 नवंबर को बंगाल में शुरू हुई थी।

उसी दिन ममता और अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता में एक मार्च निकालकर इसका विरोध किया था। हाल में अभिषेक बनर्जी ने संकेत दिए थे कि पार्टी नेतृत्व दिल्ली जाकर चुनाव आयोग पर दबाव बढ़ाएगा। इस बीच, वाटगंज के दाइघाट में एक नए श्मशान घाट के शिलान्यास के दौरान ममता बनर्जी ने कहा कि कुछ लोग बंगाल में अशांति फैलाना चाहते हैं। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि बंगाल को सुकून चाहिए।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने इंडिया-ईयू डील की सराहना की

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौता भारत के वैश्विक व्यापार संबंधों में एक रणनीतिक सफलता हासिल करता हुआ निर्णायक क्षण है। गृह मंत्री ने कहा कि वैश्विक प्लेटफॉर्म पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदर्शी कूटनीतिक सोच को प्रदर्शित करती हुई यह डील दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद समझौतों के माध्यम से एक भरोसेमंद, परस्पर लाभकारी।

प्रामाणिक आयुष उत्पादों की ऑनलाइन उपलब्धता को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर होंगे हस्ताक्षर

(एजेंसी)।

आयुष मंत्रालय 28 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में आयुष निर्यात संवर्धन परिषद (आयुषएक्सिल) और जेप्टो लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कराने की सुविधा प्रदान करेगा। इस साझेदारी का उद्देश्य सत्यापित ऑनलाइन चैनलों के जरिए प्रामाणिक आयुष औषधियों और वेलनेस उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एक सुव्यवस्थित डिजिटल ढांचा विकसित करना है।

एमओयू हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव करेंगे और इस अवसर पर आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा भी उपस्थित रहेंगे। इस समझौते पर आयुषएक्सिल के अध्यक्ष श्री अनुराग शर्मा और जेप्टो के सह-संस्थापक श्री कैवल्य वोहरा द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

यह सहयोग पारंपरिक भारतीय स्वास्थ्य प्रणालियों को आधुनिक त्वरित वाणिज्य पारिस्थितिकी तंत्र के साथ एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे आयुष क्षेत्र की डिजिटल पहुंच, उपभोक्ता विश्वास और बाजार तक पहुंच मजबूत होगी।

जेप्टो पर एक समर्पित आयुष स्टोर फ्रंट का निर्माण, जिससे उपभोक्ता प्रामाणिक आयुष उत्पादों तक आसानी से पहुंच सकें।

77वें गणतंत्र पर्व का राज्य स्तरीय समारोह : नवगठित वाव-थराद जिले के लिए गौरवशाली क्षण

(जीएनएस)। गांधीनगर, 27 जनवरी : विकास, विश्वास और विरासत का प्रतीक वाव-थराद जिले में 77वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। थराद के मलुपुर परेड ग्राउंड में राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत ने तिरंगा फहराकर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। इस विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा और भव्यता को और बढ़ा दिया।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत ने मार्च पास्ट का निरीक्षण किया। उनके साथ मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहे। वायु सेना के हेलीकॉप्टर ने पुष्प वर्षा कर तिरंगे की आन, बान और शान को उजागर किया। परेड मार्च पास्ट के माध्यम से शौर्य और समर्पण को उजागर करते पुलिस जवानों की विभिन्न 22 टुकड़ियों में शामिल कुल 810 जवानों ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी।

देशभक्ति के उत्साह और उमंग से

सराबोर वातावरण के बीच गुजरात की विकासगाथा को अविरत आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी सहित समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, प्रशासन के अधिकारियों, समाज के अग्रणियों, अतिथियों, युवा पीढ़ी, महिलाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने देशभक्ति के जोश के साथ राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। हर्ष ध्वनि ने राष्ट्रीय पर्व को और सुंदर बनाकर माहौल को देशभक्तिपूर्ण बना दिया। पुलिस बैंड की समधुर धुनों के साथ पुलिस जवानों की अनुशासनबद्ध परेड और मार्च-पास्ट आयोजित हुई। चेतक कमांडो, मरीन कमांडो, एसआरपी जवानों, पुलिस की विभिन्न महिला और पुरुष टुकड़ियों, एसपीसी, सैनिक स्कूल, एनसीसी और एनएसएस के कैडेटों की इस परेड का उपस्थित सभी लोगों ने आनंद उठाया।

इसके अलावा, चेतक कमांडो के बुलेटप्रूफ वाहनों के निदर्शन (टेब्लो), हैरतअंगेज मोटरसाइकिल स्टंट शो तथा राज्य के गौरव गुजरात श्वान दल, गुजरात अश्व दल के सुंदर करतबों ने हर किसी को रोमांचित कर दिया।

इतना ही नहीं, पुलिस विभाग द्वारा राज्यों के विभिन्न परंपरागत नृत्यों की प्रस्तुति के साथ वीर रस से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया। स्कूली छात्रों ने अलग-अलग थीमों पर आधारित प्रस्तुतियां दीं। परेड में अनुशासन और जज्बे की अद्वितीय झलक देखकर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने जवानों के शानदार प्रदर्शन और समर्पण भावना की प्रशंसा की।

सम्पादकीय

दावोस से मिला बड़बोले और बेलगाम ट्रंप को जवाब

बड़बोले और बेलगाम बोलने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अगर उन्हीं की भाषा में जवाब दिया है तो वह हैं कनाडा के प्रधानमंत्री मार्व कार्नी। दरअसल हुआ यह कि कार्नी स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में बोल रहे थे। मार्व कार्नी के दिए भाषण को अमेरिकी दबदबे वाले वर्ल्ड आर्डर को आईना दिखाने के रूप में देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि दुनिया के लगभग हर देश ट्रंप की नीतियों से परेशान है लेकिन इस तरह बोलने का जोखिम मार्व कार्नी ने उठाया। मंगलवार को स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए मार्व कार्नी ने कहा कि ताकतवर देशों की प्रतिद्वंद्विता में मिडिल पावर वाले देशों के सामने दो विकल्प हैं.. या तो समर्थन पाने के लिए आपस में होड़ करें या साहस के साथ एक तीसरा रास्ता बनाएं और ऐसा करने के लिए साथ आएं। भारत समेत दुनिया के बाकी देशों को लग रहा है कि अभी चुप रहना ज्यादा बेहतर है। दूसरी तरफ कनाडा के प्रधानमंत्री को लग रहा है कि मौजूदा विश्व व्यवस्था में कोई संक्रमण नहीं बल्कि विध्वंस की स्थिति है और झूठ का पर्दा हट रहा है। मार्व कार्नी खुलेआम कह रहे हैं कि पुरानी व्यवस्था वापस नहीं आएगी और इसका शोक नहीं मनाना चाहिए बल्कि नई और इंसाफ सुनिश्चित करने वाली वैश्विक व्यवस्था के लिए काम शुरू कर देना चाहिए। कार्नी कह रहे हैं कि मध्यम शक्ति वाले देशों को भ्रम की दुनिया से बाहर आना चाहिए। कार्नी को पता है कि ट्रंप की नीतियों की आलोचना करने का जोखिम भी है। कनाडा की अर्थव्यवस्था बहुत हद तक व्यापार पर निर्भर है और 2024 में कनाडा के कुल निर्यात का 75 प्रतिशत व्यापार अमेरिका में हुआ था। ट्रंप ने अमेरिका के प्रति कृतज्ञता न दिखाने का आरोप लगाते हुए मार्व कार्नी की आलोचना करते हुए कहा, वैसे कनाडा हमसे बहुत-सी मुफ्त सुविधाएं पाता है। उन्हें आभार व्यक्त करना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं कर रहे हैं। मैंने मंगलवार को मार्क कार्नी को देखा और वह ज्यादा कतृज्ञ नहीं थे। कनाडा अमेरिका की वजह से ही अस्तित्व में है। अगली बार जब मार्व कार्नी बयान देंगे तो उन्हें.. यह बात याद रखनी चाहिए। इससे पहले ट्रंप कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कह चुके हैं। इतनी धमकियों के और दबाव के बावजूद कनाडा ने ट्रंप को दो टूक जवाब दिया। ऐसे में यह सवाल पूछा जा रहा है कि ट्रंप की नीतियों, धमकियों के बावजूद अमेरिका भारत के हितों को चोट पहुंचा रहा है फिर भी भारत कनाडा की तरह ट्रंप को उन्हीं की भाषा में जवाब आखिर क्यों नहीं दे रहा है? ट्रंप ईरान से तेल खरीदने, रूस से तेल खरीदने, 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने से लेकर 70 बार से ज्यादा भारत-पाक युद्ध रोकने की बात कह चुके हैं, अमेरिका ने वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन किया, ईरान में भी सत्ता परिवर्तन करवाने की बात कर रहा है।

गुजरात की झांकी ने 'स्वतंत्रता का मंत्र : वंदे मातरम' विषय पर आधारित भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की निर्माण यात्रा, उसके बदलते स्वरूप और इतिहास की रोचक प्रस्तुति के साथ जमाया अनूठा आकर्षण

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्तव्य पथ पर सीआरपीएफ की सहायक कमांडेंट सिमरन बाला ने सीआरपीएफ की पुरुष टुकड़ी का नेतृत्व कर गुजरात को गौरवान्वित किया

77वें गणतंत्र पर्व में इस वर्ष पहली बार 'साइलेंट वॉरियर्स' के रूप में पहचाने जाने वाले पशुओं ने भी परेड में हिस्सा लिया

नई दिल्ली, 26 जनवरी : 'वंदे मातरम' एक मंत्र है, जो हर भारतीय में स्वदेशी, स्वावलंबन और स्वतंत्रता की अलख जगाता है। 'वंदे मातरम' गीत की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, इस विषय के प्रतिघोष के रूप में 'वंदे मातरम' शब्द की पृष्ठभूमि से ही शुरू हुई भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के बनने की यात्रा, उसका बदलता स्वरूप और इतिहास की रोचक प्रस्तुति 77वें गणतंत्र दिवस पर्व में गुजरात की झांकी का प्रमुख आकर्षण बना।

इसके साथ ही, इस झांकी ने गुजरात के नवसारी में जन्मी तथा गुर्जर भूमि के अपने प्रसिद्ध साथी क्रांतिवीरों- श्यामजी कृष्ण वर्मा और सरदार सिंह राणा के साथ विदेशी धरती से क्रांतिज्योत जगाने वालीं मैडम भीकाजी कामा द्वारा डिजाइन किए गए भारतीय ध्वज की यशोगाथा का वर्णन, जिस पर 'वंदे मातरम' लिखा है और 'चरखे' के माध्यम से स्वदेशी का मंत्र देने वाले महात्मा गांधी की स्मृति के साथ मौजूदा 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के सुंदर समन्वय के माध्यम से एक अनूठी छाप छोड़ी।

झांकी के अगले हिस्से में वीरांगना मैडम भीकाजी कामा को उनके द्वारा डिजाइन किए हुए ध्वज के साथ दर्शाया गया था, जिस पर 'वंदे मातरम' लिखा हुआ था, जिसे उन्होंने पहली बार विदेशी धरती पर वर्ष 1907 में पेरिस में लहराया था। इस ध्वज को जर्मनी के स्टटगार्ट, बर्लिन की 'इंडियन सोशलिस्ट कॉन्फ्रेंस' में भी फहराया गया था। मैडम कामा की ध्वज लहराती अर्ध-प्रतिमा के नीचे संविधान में सूचीबद्ध सभी भारतीय भाषाओं में 'वंदे मातरम' लिखा हुआ था।

झांकी के दिल यानी मध्य हिस्से में राष्ट्रीय ध्वज की निर्माण यात्रा, उसके बदलते स्वरूप और इतिहास को दिखाया गया। इसकी शुरूआत होती है वर्ष 1906 से, जब कलकत्ता (अब कोलकाता) के पारसी बागान में क्रांतिकारियों ने विदेशी वस्तुओं की होली जलाने और स्वदेशी का आह्वान करते हुए पहली बार 'वंदे मातरम' लिखा हुआ ध्वज फहराया था। इसके बाद, 1907 में विदेशी धरती से भारतीय क्रांति की ज्योति जगाने वाली मैडम भीकाजी कामा ने पेरिस में ध्वज फहराया था, जिसे उन्होंने खुद डिजाइन किया था। वर्ष 1917 में होमरूल आंदोलन के दौरान डॉ. एनी बेसेंट और बाल गंगाधर तिलक ने एक नया ध्वज फहराया। वहीं, वर्ष 1921 में बेजवाड़ा (अब विजयवाड़ा) में युवा क्रांतिवीर पिंगली वेंकैया ने एक नई डिजाइन का ध्वज बनाया और उसे गांधी जी को दिखाया। 1931 में पिंगली द्वारा तैयार किए गए ध्वज को लगभग स्वीकृति दे दी गई, जो तीन रंगों का बना था और उसके केंद्र में चरखा था। अंततः 22 जुलाई, 1947 को भारतीय संविधान सभा ने झंडे के केंद्र में चरखे की जगह धर्म चक्र के साथ तिरंगे को इसके वर्तमान स्वरूप में स्वीकार किया। वर्तमान राष्ट्रीय ध्वज की इस निर्माण यात्रा के साथ भारत की आजादी के महत्वपूर्ण आंदोलनों का भी इस झांकी में निदर्शन किया गया।

झांकी के अंतिम हिस्से में 'चरखे' के माध्यम से स्वदेशी और स्वावलंबन की भावना को जागृत करने तथा स्वतंत्रता का आह्वान करने वाले महात्मा गांधी के शिल्प को एक विशाल धर्म चक्र के साथ दशार्या गया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वर्तमान में स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता के इन सशक्त मूल्यों को लगातार प्रोत्साहित करने का प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं।

देश की स्वाधीनता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सपूतों को याद कर राष्ट्रीय चेतना जगाने वाले, 'राष्ट्रीय शायर' की उपाधि से सम्मानित गुजराती रचनाकार झवेरचंद मेघाणी द्वारा रचित गीत 'कसुंबी नो रंग' की लय और ताल पर उत्साह बढ़ाते कलाकार झांकी को जीवंत और जानदार बना रहे थे।

गुजरात सरकार के सूचना विभाग की ओर से प्रस्तुत इस झांकी के निर्माण में सूचना एवं प्रसारण सचिव डॉ. विक्रांत पांडे, सूचना आयुक्त श्री किशोर बचाणी, अपर निदेशक श्री अरविंद पटेल के मार्गदर्शन में संयुक्त सूचना निदेशक डॉ. संजय कचोट और उप सूचना निदेशक सुश्री भावना वसावा ने योगदान दिया।

इस वर्ष गणतंत्र दिवस की परेड में 17 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के अलावा केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों की 13 झांकियों सहित कुल 30 झांकियां प्रदर्शित की गईं। कर्तव्य पथ पर हुई सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में लगभग 2500 कलाकारों ने हिस्सा लिया। देश भर से लगभग 10,000 विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया था।

परेड की शुरूआत 'राष्ट्रीय युद्ध स्मारक' में एक गौरवपूर्ण श्रद्धांजलि के साथ हुई, जहां प्रधानमंत्री ने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद, राष्ट्रपति सलामी मंच पर पहुंचीं और राष्ट्रगान हुआ तथा 21 तोपों की सलामी के साथ समारोह की औपचारिक शुरूआत हुई। 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में यूरोपियन यूनियन के दो वरिष्ठ नेता- यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा मौजूद रहे।

77वें गणतंत्र दिवस समारोह में इस वर्ष पहली बार 'साइलेंट वॉरियर्स' के रूप में पहचाने जाने वाले पशुओं ने भी परेड में हिस्सा लिया। इसके अंतर्गत मंगोलियन प्रजाति के बेक्ट्रियन ऊंट, सियाचिन ग्लेशियर में काम करने वाले खच्चर, शिकारी पक्षी और सैन्य श्वान दस्ते सलामी मंच के सामने से गुजरे।

सेना के विभिन्न अंगों के करतबों के साथ इस वर्ष पहली बार केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की पुरुष टुकड़ी का नेतृत्व 26 वर्षीय सहायक कमांडेंट सिमरन बाला ने किया। गुजरात में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली सिमरन ने गांधीनगर के सरकारी महिला कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त करके सीआरपीएफ की सहायक कमांडेंट की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके साथ ही, यूरोपियन यूनियन की टुकड़ी ने भी इस परेड में हिस्सा लिया। इस वर्ष की परेड में पहली बार भारतीय सेना ने रणभूमि व्यूह रचना यानी 'बैटल एरे' फॉर्मेट की झलक दिखाई, जिसमें परंपरागत मार्चिंग दस्ते और सेवा प्रस्तुतियां शामिल थीं।

पवित्र अवशेषों से लेकर गणतंत्र दिवस तक: वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन के प्रतिनिधियों ने भारत की आध्यात्मिक आत्मा एवं राष्ट्रीय संकल्प का अनुभव प्राप्त किया

(एजेंसी)।

वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में लगभग 250 विदेशी भिक्षुओं एवं वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन (जीबीएस) के प्रतिनिधियों का किला राय पिथोरा सांस्कृतिक परिसर का दौरा शामिल था, जहां उन्होंने भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को श्रद्धांजलि अर्पित की और प्रार्थना की। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन 03 जनवरी, 2026 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया था। इस अवसर पर विदेशों एवं भारत से आए प्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी को बहुत उत्सुक्तापूर्वक दो घंटे से अधिक समय तक अवलोकन किया और पिपरवाह अवशेषों के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं इसकी जानकारी प्राप्त कर मंत्रमुग्ध हुए। उन्हें जानकारी प्राप्त हुई कि किस प्रकार से भारत ने 1898 में देश से बाहर ले गए बुद्ध के अवशेषों को वापस लाने के लिए की कोशिश की और उन्हें वापस लाकर उसी अवशेष के अन्य हिस्सों के साथ मिलाया। उन्होंने भारत द्वारा न केवल अपनी प्राचीन विरासत को संरक्षित करने की बल्कि उन्हें स्वदेश वापस लाने के प्रयासों की भी सराहना की।

अधिकांश प्रतिनिधि अवशेष संग्रहालय के दौरे से बहुत प्रभावित हुए तथा उन्होंने आशीर्वाद प्राप्त किया जबकि कुछ प्रतिनिधियों ने तो शांत एवं सुकून भरे माहौल में पवित्र अवशेषों के सामने मंत्रोच्चारण भी किया। संघ के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा, ह्वहमने शाक्यमुनि के अवशेषों से आशीर्वाद प्राप्त करने एवं समृद्ध संग्रह देखने का दुर्लभ अवसर प्राप्त किया जिससे हम खुद को अत्यंत सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं।ह्व एक अन्य सदस्य ने कहा, ह्वयह जीबीएस का एक आध्यात्मिक पहलू था जिसकी हमने कभी अपेक्षा नहीं की थी लेकिन यह हमें प्राप्त हुआ।ह्व जीबीएस के आयोजकों ने इस कार्यक्रम को प्रतिभागियों के लिए एक अप्रत्याशित घटना के रूप में आगंतुकों से छिपा कर रखा था जिसका उद्देश्य शैक्षणिक एवं दार्शनिक पहलुओं को एक आध्यात्मिक अनुभव के साथ मिश्रित करना था।

वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन की गतिविधियों का एक अन्य पहलू 26 जनवरी के गणतंत्र दिवस परेड का साक्षी बनने लिए विभिन्न देशों के लगभग 60 भिक्षुओं का आगमन रहा। रक्षा उपकरणों एवं सैनिकों के प्रदर्शन के बीच भिक्षुओं की उपस्थिति ने इस आयोजन को सभी दर्शकों के लिए एक गंभीर क्षण का निर्माण किया।

जहां एक ओर भारत ने विश्व के सामने अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया वहीं दूसरी ओर श्रद्धेय भिक्षुओं एवं भिक्षुणियों की उपस्थिति ने शांति एवं करुणा का प्रतीक बनकर एक गहरा संदेश दिया कि वैश्विक चुनौतियों का समाधान धम्म के मार्ग में निहित है, जिसका प्रधानमंत्री मोदी प्रायः अक्सर उल्लेख करते हैं।

एक वरिष्ठ भिक्षु ने कहा कि यह एक रोमांचकारी अनुभव था। परेड समाप्त होने और समूह के मंच से निकलते ही, वियतनाम की तीन भिक्षुणियों ने अनुरोध किया कि क्या वे वहीं रुक सकती हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बैठक क्षेत्र से गुजर रहे थे और वे उनका अभिवादन करना चाहती थीं। हालांकि समूह के बाकी सदस्य चले गए थे लेकिन अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। बाद में उन्होंने प्रधानमंत्री को इतने करीब से देखकर अपनी खुशी व्यक्त की। इस खास पल की यादों को संजोने के लिए उन्होंने कई तस्वीरें भी ली ताकि वापस लौटने पर वे दूसरों के साथ अपने अनुभवों को साझा कर सकें। बाद में एक भिक्षुणी ने कहा, "यह मेरे लिए आजीवन प्राप्त होने वाला एक अनुभव था।"

इन दोनों कार्यक्रमों ने मिलकर भारत की पहचान के दोहरे स्वरूप को उजागर किया: एक ऐसा देश जो आध्यात्मिक ज्ञान एवं सांस्कृतिक विरासत में निहित है और साथ ही साथ अपनी लोकतांत्रिक शक्ति एवं संप्रभुता में प्रबल है।

यूजीसी के नए नियमन से उबाल क्यों है

यूजीसी के नए नियमन का विरोध का बड़ा कारण यह है कि समता समिति में एससी, एसटी, विकलांग, महिला और ओबीसी सदस्य होने के कारण उनके छात्रों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो सकेगी, बल्कि उस समुदाय का शिकायतकर्ता होने के कारण अगड़ी जाति (भूमिहार, ब्रा१ण, राजपूत और कायस्थ) के छात्र हमेशा निशाने पर रहेंगे।

यूजीसी के नए नियमन से उबाल क्यों है यूजीसी यानी यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) ने शायद सोचा भी न होगा कि 13 जनवरी 26 को जारी उसके नये नियमन (रेगुलेशन) से देशभर में उबाल हो जाएगा। उसने तो नया नियमन सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद लागू किया था, लेकिन समाज का एक धड़ा उद्वेलित हो उठा है।

सरकार बहादुर चुप हैं और शिक्षा मंत्री मूकदर्शक। यहां तक की विपक्ष की भी बोलती बंद है, लेकिन विरोध बढ़ता ही जा रहा है। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी है तो मूर्धन्य कवि वुमार विश्वास ने दिवंगत कवि रमेश रंजन मिश्र की कविता का उल्लेख करते हुए कहा है कि 'चाहे तिल लो या ताड़ लो राजा, राई लो या पहाड़ लो राजा; मैं अभागा सवर्ण हूं, मेरा रोयां-रोयां उखाड़ लो राजा।' दरअसल, वर्ष 2019 में हैदराबाद यूनिर्वसिटी के छात्र रोहित वेमुला और महाराष्ट्र की एक महिला चिकित्सक डॉ पायल तडवी ने जातीय उत्पीड़न से तंग होकर आत्महत्या कर ली थी। नतीजतन, सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी को ऐसा नियमन बनाने का निर्देश दिया था, जिससे कॉलेज में पढ़ाई के दौरान छात्रों का उत्पीड़न रोका जा सके।

इसी दौरान आईआईटी ने एक स्टडी की जिसमें पाया गया कि 'वंचित जातियों के 75 प्रतिशत छात्र कॉलेज में भेदभाव का शिकार होते हैं। ऐसा नहीं है कि विश्वविद्यालयों में जातीय आधार पर छात्रों के उत्पीड़न रोकने के लिए पहले से नियम नहीं थे। साल 2012 में हिमाचल प्रदेश में रैगिंग के दौरान एक छात्र की हत्या के बाद 17 दिसंबर 2012 से यूजीसी ने मान्यता प्राप्त सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में रैगिंग और उत्पीड़न रोकने के लिए नियम तय किये थे। 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीटूशंस रेगुलेशंस' नाम के नियम सिर्प सुझाव और जागरूकता के लिए थे। उसमें सजा का कोई प्रावधान नहीं था। लेकिन शिकायत झूठी पायी जाने पर जुमार्ना और दंड का प्रावधान अवश्य था। अधिकांश मामलों में रैगिंग करने या उत्पीड़न की शिकायत मिलने पर संस्थान द्वारा चेतावनी देकर छोड़ दिया जाता था। दोबारा शिकायत मिलने पर उत्पीड़न करने वाले छात्रों के अभिभावक को कॉलेज प्रशासन पत्र भेज दिया करता था और मामला सुलझ जाता था। कॉलेज प्रशासन की मनाही के बावजूद शिक्षण संस्थानों में रैगिंग चोरी-छुपे होती रहती थी। आज भी जारी है। पहले छात्रों के बीच इतनी कटुता भी नहीं होती थी। इसका मकसद छात्रों के बीच हास-परिहास करना होता था।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और यूजीसी के नियमन - पिछले साल जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी को कॉलेजों में जातीय भेदभाव की शिकायतों का डाटा इकट्ठा करने तथा नया नियमन बनाने का निर्देश दिया था। उसके बाद यूजीसी ने फीडबैक लेने के लिए एक ड्राफ्ट जारी किया, जिस पर ओबीसी के छात्रों ने आपत्ति जताई और एससी- एसटी छात्रों के साथ ओबीसी के छात्रों को भी जांच समिति में शामिल करने की मांग की। इससे पहले दिसंबर 25 में संसद की शिक्षा, महिला, बाल और युवा संबंधी मामलों की संसदीय समिति ने यूजीसी और सरकार को सौंपी अपनी रिपोर्ट में समता समिति में ओबीसी को शामिल करने की सिफारिश कर दी। इस समिति के अध्यक्ष मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिह हैं। अपने ड्राफ्ट के विश्लेषण, ओबीसी छात्रों की मांग और संसदीय समिति की सिफारिश के आधार पर यूजीसी ने इस साल 13 जनवरी को नये नियमन की अधिसूचना जारी कर दी।

ब्राजीलियाई थिएटर प्रोडक्शन 'पासडो प्रेजेंटे जेंटुरो' का 25वें भारत रंग महोत्सव के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण

बेंगलुरु और नई दिल्ली फरवरी 2026 में ब्राजीलियाई प्रोडक्शन पासाडो प्रेजेंटे जेंटुरो की मेजबानी करेंगे

(एजेंसी)।

ब्राजील का थिएटर प्रोडक्शन 'पासाडो प्रेजेंटे जेंतुरो' वर्ष 2026 में अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहली प्रस्तुति पेश करने के लिए तैयार है। यह प्रोडक्शन दो प्रमुख वैश्विक थिएटर समारोहों में ब्राजील का प्रतिनिधित्व करेगा- भारत में आयोजित होने वाला 25वां भारत रंग महोत्सव और रूस में होने वाला 5वां जीआईटीआईएस फेस्ट।

ब्राजीलियाई नाटककार ग्रेस पासो के नाटक 'मार्चा पारा जेंतुरो' और एंटोन चेखव के 'थ्री सिस्टर्स' से प्रेरित यह नाट्य प्रस्तुति समय, स्मृतियों और सामूहिक अनुभवों पर गहन चिंतन करती है। 'पासाडो प्रेजेंटे जेंतुरो' ब्राजील की सांस्कृतिक समृद्धि को अंतरराष्ट्रीय नाट्य परंपराओं के साथ जोड़ते हुए, छात्र रंगमंच की जीवंतता और कलात्मक क्षमता को वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने का उद्देश्य रखती है।

संस्कृति मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा आयोजित विश्व के सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय नाट्य समारोहों में से एक, भारत रंग महोत्सव के अंतर्गत, इस प्रस्तुति का आयोजन 5 फरवरी, 2026 को बेंगलुरु में और 7 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली में किया जाएगा।

इसके साथ ही, पासाडो प्रेजेंटे जेंटुरो अप्रैल 2026 में मॉस्को में होने वाले 5वें जीआईटीआईएस फेस्ट में ब्राजील का प्रतिनिधित्व करेगा। यह कदम इसे वैश्विक थिएटर संस्थानों के साथ इसके बढ़ते अंतरराष्ट्रीय प्रभाव और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को और सशक्त बनाने में मदद करेगा।

2024 में एक व्यापक राष्ट्रीय दौरे और 2025 में टीयूएसपी थिएटर (टीट्रो दा यूनिवर्सिडाडे डी साओ पाउलो) में एक विशेष सत्र के आयोजन के बाद, इस प्रोडक्शन को पहले से ही ब्राजील में ख्याति प्राप्त हो चुकी है। इसे अपने सामूहिक प्रयास, अभिनव मंचन और क्लासिक तथा आधुनिक ग्रंथों की समकालीन पुनर्कल्पना के लिए खूब सराहा गया है।

आंद्रे हैडामस द्वारा निर्देशित पासाडो प्रेजेंटे जेंटुरो में दस कलाकार शामिल हैं। रचनात्मक टीम में कैमिला एंड्रेड (प्रकाश डिजाइन) और कैसियो गोंडिम (ध्वनि तथा वीडियो डिजाइन) का विशेष योगदान रहा है, जो इस प्रस्तुति की प्रभावशाली नाट्य शैली को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारत और रूस में अपने आगामी प्रदर्शनों के साथ, पासाडो प्रेजेंटे जेंटुरो ब्राजीलियाई थिएटर के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो संवाद, प्रयोग और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की इसकी क्षमता को मजबूती से दशार्ता है।

केंद्रीय मंत्री श्री एच.डी. कुमारस्वामी ने पुणे में एसआईएटी 2026 का उद्घाटन किया; वैश्विक ऑटोमोटिव नेतृत्व के लिए भारत के विजन पर जोर दिया

भारत का ऑटोमोटिव सेक्टर सतत और प्रौद्योगिकी-संचालित विकास के लिए तैयार: श्री एचडी कुमारस्वामी

एसआईएटी 2026 ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्‍द्र मोदी के नेतृत्व में नवाचार, सुरक्षा और स्वच्छ गतिशीलता को रेखांकित किया

सरकार ईवी इकोसिस्‍टम और स्वदेशी विनिर्माण को सुदृढ़ कर रही है: श्री एचडी कुमारस्वामी

एआरएआई की हीरक जयंती और एसआईएटी 2026 ने भारत की गतिशीलता यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ा

(एजेंसी)।

केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री श्री एच.डी. कुमारस्वामी ने पुणे में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी संगोष्ठी (एसआईएटी) 2026 का उद्घाटन किया, जो सुरक्षित, सतत और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी गतिशीलता समाधानों की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि को दशार्ता है।

ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) द्वारा एसएई इंटरनेशनल और एसएईआईएनडीआईए के सहयोग से आयोजित एसआईएटी 2026 एआरएआई के हीरक जयंती वर्ष के दौरान आयोजित किया जा रहा है और भविष्य के लिए तैयार परिवहन प्रणालियों के लिए नवीन रास्‍तों पर केंद्रित है।

ऑटोमोटिव विशेषज्ञों, उद्योगपतियों, शोधकताओं और नीति निमार्ताओं की सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री श्री एच.डी. कुमारस्वामी ने नवाचार को बढ़ावा देने और सुरक्षित एवं स्वच्छ गतिशीलता को सशक्त बनाने में एआरएआई के छह दशकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने भारत के ऑटोमोटिव इकोसिस्टमको मजबूत करने में एआरएआई की भूमिका को "प्रशंसनीय और परिवर्तनकारी" बताया।

भारत की तीव्र आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ह्वभारत 4.18 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है और आने वाले वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर मजबूती से अग्रसर है। 2030 तक भारत का अनुमानित 7.3 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर का जीडीपी देश के बढ़ते आत्मविश्वास, क्षमता और औद्योगिक शक्ति को दशार्ता है।ह्व

केंद्रीय मंत्री श्री कुमारस्वामी ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने 2070 तक शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक स्पष्ट और महत्वाकांक्षी रोडमैप तैयार किया है। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने से उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों को मजबूती मिल रही है, जो भारत के भावी विकास और इसकी वैश्विक स्थिति को परिभाषित करेंगे।

उन्होंने कहा, 'इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इस परिवर्तन के केंद्र में है। यह आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करती है, उत्सर्जन को घटाती है और भारतीय उद्योग, नवोन्मेषकों और हमारे युवा कार्यबल के लिए नए अवसर पैदा करती है।ह्व

सरकार की नीतिगत पहलों का विस्तृत विवरण देते हुए मंत्री महोदय ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारी उद्योग मंत्रालय ने इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर संक्रमण को गति देने के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं। 11,500 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली एफएएमई-क्क योजना ने 16.71 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में सहायता प्रदान की है और देश भर में 9,000 से अधिक सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों को स्वीकृति दी गई है।

उन्होंने आगे कहा कि 10,900 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली पीएम ई-ड्राइव योजना ने मांग आधारित प्रोत्साहनों और चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को मजबूती मिली है, जिसके तहत 20 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बेचे जा चुके हैं। 25,938 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) ऑटो योजना घरेलू मूल्य वर्धन को प्रोत्साहित करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा दे रही है।

श्री कुमारस्वामी ने पीएलआई-एसीसी योजना पर भी प्रकाश डाला और कहा, "हमारा लक्ष्य भारत में 50 गीगावॉट-घंटे की उन्नत रसायन सेल बैटरी निर्माण क्षमता स्थापित करना है, जिससे दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और लचीलापन मजबूत होगा।"

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने दी 77वें गणतंत्र दिवस पर राज्य की नगर पालिकाओं को बड़ी भेंट

गांधीनगर, 26 जनवरी : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के नगरों शहरों में सार्वजनिक जनहितकारी परियोजनाओं के लिए नगरपालिकाओं को निःशुल्क भूमि आवंटित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

शहरी क्षेत्रों में प्रशासन अधिक पारदर्शी बने और नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं समय पर मिलें, इसके लिए नगर पालिकाओं को विकास कार्यों हेतु अब 11 प्रकार की विभिन्न बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए सरलता से निःशुल्क भूमि आवंटित की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के इस जनहितोन्मुखी निर्णय के परिणामस्वरूप राज्य की लगभग 152 नगर पालिकाओं को विकास कार्यों के लिए पहले सरकारी भूमि प्राप्त करने पर बाजार मूल्य या जंत्री दर के 25 से 50 प्रतिशत तक जो राशि चुकानी पड़ती थी, उससे मुक्ति मिलेगी। इतना ही नहीं, भूमि आवंटन की प्रक्रिया भी अधिक सरल बनेगी।

मुख्यमंत्री द्वारा नगर पालिकाओं को सार्वजनिक सुविधा एवं जनकल्याण के परियोजनाओं के लिए निःशुल्क सरकारी भूमि देने के निर्णय के अनुसार; नगर सेवा सदन, फायर स्टेशन, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, भूमिगत सीवर, ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन, जल आपूर्ति परियोजना, सॉलिड व लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट, स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज कार्य, आंगनवाड़ी, टाउन हॉल, कम्युनिटी हॉल, कन्वेंशन सेंटर जैसी आवश्यक नागरिक सुविधाएं लोगों को आसानी से उपलब्ध हों; ऐसा सिटीजन-सेंट्रिक दृष्टिकोण अपनाया गया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के इस जनहितोन्मुखी निर्णय के परिणामस्वरूप राज्य की 152 नगर पालिकाओं पर आर्थिक भार कम होने से विकास परियोजनाएं तेजी से शुरू हो सकेंगी और नगरों के विकास को और अधिक गति मिलेगी।

नागरिकों को भी पानी, सीवर, शिक्षा तथा स्वास्थ्य जैसी प्राथमिक सुविधाएं शीघ्रता से उपलब्ध होंगी।

विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से सोचते हैं आईआईटी दिल्ली के छात्र : रुम्मान बतौर ज्यूरी सदस्य प्रतिभाग करने को बताया गौरव

पीलीभीत। देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में आयोजित एक नवाचार आधारित कार्यक्रम में बतौर ज्यूरी सदस्य शामिल हुए मोहम्मद रुम्मान ने कहा कि यहां के छात्र विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण रूप से तेजी से सोचने की क्षमता रखते हैं। विचारों के मूल्यांकन से लेकर पिच राउंड के दौरान टीमों के साथ संवाद तक यह स्पष्ट रूप से सामने आया कि छात्र केवल तकनीकी दक्षता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे बिल्डर, नवाचारक और शुरूआती उत्पाद-विचारक के रूप में भी परिपक्व सोच रखते हैं, जो उपयोगकताओं की वास्तविक समस्याओं को समझते हैं।

उन्होंने कहा कि निर्णायक मंडल और प्रतिभागी छात्रों के बीच हुई बातचीत केवल आलोचनात्मक विश्लेषण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें मंचीय घबराहट से निपटने, प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान उत्तरों को व्यवस्थित करने, दबाव की परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखने और स्पष्ट निर्णय लेने जैसे अहम विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। 19-20 वर्ष के युवाओं को इतने आत्मविश्वास, स्पष्टता और परिपक्वता के साथ अपने विचार प्रस्तुत करते देख यह अनुभव हुआ कि यदि सही माहौल मिले, तो शुरूआती अनुभव भी वर्षों के ज्ञान के बराबर हो सकते हैं।

उन्होंने आईआईटी दिल्ली की आयोजन टीम का प्रोडक्ट फोक्स को आमंत्रित करने के लिए आभार व्यक्त किया तथा निर्णायक मंडल के सभी सदस्यों का भी हृदय से धन्यवाद दिया।

शहर के मोहल्ला शेर मो. निवासी समाजसेवी व कातिब नासिर कमाल के भांजे, श्री एवं श्रीमती फरहत अकील अहमद के पुत्र मो. रुम्मान ने कहा कि उस स्थान पर दोबारा लौटना, जहाँ कभी अपनापन महसूस करने का सपना देखा था, लेकिन अब बिल्कुल अलग भूमिका में—यह अनुभव शब्दों से परे है। यह जीवन के उन दुर्लभ क्षणों में से एक है, जिन्हें हमेशा याद रखा जाता है।

उन्होंने कहा कि अनगिनत भारतीय इंजीनियरिंग अभ्यर्थियों की तरह आईआईटी दिल्ली भी उनके लिए तैयारी के दिनों में एक सपनों का संस्थान था। आज उन्हीं गलियारों में एक अभ्यर्थी के रूप में नहीं, बल्कि वक्ता और निर्णायक के रूप में चलना गर्व और आत्ममंथन से भरा अनुभव रहा। जीवन का अपना एक अनोखा गणित होता है—वह व्यक्ति को उन्हीं स्थानों पर वापस ले आता है, जिन्होंने कभी उसके सपनों को दिशा दी थी।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में से विजेता छात्रों का चयन कर उन्हें सम्मानित करना उनके लिए सौभाग्य और प्रेरणादायक अनुभव रहा।

पीएनबी ने दिल्ली मुख्यालय पर मनाया 77 वां गणतंत्र दिवस

27 जनवरी 2026: सार्वजनिक क्षेत्र में देश के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने नई दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय में बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ 77वां गणतंत्र दिवस मनाया। समारोह की शुरूआत पीएनबी के एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र द्वारा बैंक के कार्यपालक निदेशकों, मुख्य सतर्कता अधिकारी, मुख्य महाप्रबंधकों, महाप्रबंधकों, और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई।

इस अवसर पर बोलते हुए, पीएनबी के एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र ने कहा: "इस गणतंत्र दिवस पर, हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान, अपने संविधान के निमार्ताओं की दूरदर्शिता और हमारे सशस्त्र बलों के साहस को याद करते हैं जो सबसे कठिन परिस्थितियों में देश की रक्षा करते हैं। पिछले 76 वर्षों में, भारत की यात्रा—आजादी से लेकर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने तक—उल्लेखनीय आर्थिक और सामाजिक प्रगति को दशार्ती है, जिसमें वित्तीय समावेशन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है प्रधानमंत्री जन धन योजना, पीएम मुद्रा, पीएम स्वनिधि और पीएम विश्वकर्मा जैसी परिवर्तनकारी पहलों ने लाखों लोगों, विशेषकर महिलाओं और पहली बार ऋण लेने वालों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा है। देश भर में 10,000 से अधिक शाखाओं की मजबूत उपस्थिति और एक लाख से अधिक कर्मचारियों के समर्पण के साथ, पीएनबी को इस राष्ट्रीय मिशन में सार्थक योगदान देने पर गर्व है। जहाँ हमारा प्रदर्शन ₹5,100 करोड़ के शुद्ध लाभ और ₹2.9 मिलियन करोड़ के कुल व्यवसाय में झलकता है, वहीं हमारी बड़ी प्रतिबद्धता ईमानदारी, पारदर्शिता, ग्राहक-केंद्रितता और उत्कृष्टता पर आधारित संस्कृति का निर्माण करना है। वास्तव में एक शक्तिशाली बैंक के रूप में उभरने के लिए, गुणवत्ता को हमारे कार्य को और मूल्यों को हमारे चरित्र को परिभाषित करना चाहिए। हम 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप, जिम्मेदार बैंकिंग को बढ़ावा देकर समावेशी विकास को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

गणतंत्र दिवस की अपनी पहलों के अंग के रूप में, पीएनबी ने बैंक की वरिष्ठ महिला अधिकारियों और वरिष्ठ बैंक अधिकारियों की पत्नियों के संगठन 'पीएनबी प्रेरणा' के सहयोग से असेवित समुदायों की सहायता के लिए कई सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए। बैंक ने नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड (दिल्ली) को 'चिराग' और 'ज्योति' जैसे प्रारंभिक हस्तक्षेप और समावेशी शिक्षा कार्यक्रमों के समर्थन में वित्तीय सहायता प्रदान की। इसके अतिरिक्त, पीएनबी ने एमसीडी प्राथमिक विद्यालय नवादा मेन क्क (वेस्ट जोन) और चौखंडी ओल्ड क्क तिलक नगर में बुनियादी ढांचे और आवश्यक सुविधाओं, जैसे कि क्लासरूम, पानी के नल और डिजिटल पहुंच के लिए भी वित्तीय सहायता का विस्तार किया।

सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, पीएनबी 'पीएनबी पलाश' पहल के माध्यम से अपने कार्बन फुटप्रिंट को सक्रिय रूप से कम करना जारी रखे हुए है। इस पहल के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान, ऊर्जा संरक्षण अभियान, रीसाइक्लिंग कार्यक्रम, कागज संरक्षण प्रयास, वायु प्रदूषण कम करने के उपाय और इलेक्ट्रिक वाहन फाइनेंसिंग को बढ़ावा देना शामिल है। स्वच्छता पखवाड़ा (16-31 जनवरी 2026) के हिस्से के रूप में, पूरे बैंक में वृक्षारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रधान कार्यालय द्वारा पर्यावरण स्थिरता को और बढ़ावा देने के लिए कर्मचारियों को पौधों के सैप्लिंग वितरित किए जा रहे हैं।

पीएनबी ने अपने कर्मचारियों श्री अल्विन पिंटो जॉर्ज, श्री विपिन कुमार और श्री रंजन कुमार साहू को उनकी सतर्कता, ईमानदारी और 'कस्टमर-फर्स्ट' प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया। इन कर्मचारियों ने डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी के प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल कर ग्राहकों को वित्तीय नुकसान से बचाने में अनुकरणीय भूमिका निभाई।

बैंक ने सुश्री पूजा गुप्ता को बोच्चिया खेल में उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया, जिसमें 30वीं विश्व रैंकिंग हासिल करना, बहरीन में वर्ल्ड बोच्चिया चैलेंजर सीरीज 2024 में रजत और कांस्य पदक जीतना और नेशनल बोच्चिया चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतना शामिल है। साथ ही, सुश्री आकांक्षा को शूटिंग विश्व कप 2024 में 10 मीटर एयर राइफल श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए भी सम्मानित किया गया।

एथर 2025 रिपोर्ट में सामने आया कि सॉफ्टवेयर से भारतीय शहरों में राईडिंग के व्यवहार में क्या परिवर्तन आ रहा है

लखनऊ, 27 जनवरी 2026: एथर एनर्जी की 2025 ईयर-एंड राईडिंग इनसाईट के मुताबिक भारत में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर के राईडर्स के बीच दैनिक आवागमन के लिए कनेक्टेड टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ता जा रहा है। इस रिपोर्ट में शहरवार राईडिंग व्यवहार प्रदर्शित कर रहा है कि सॉफ्टवेयर मोबिलिटी में क्या परिवर्तन लेकर आ रहा है।

भारत में पाँच लाख से अधिक कनेक्टेड एथर स्कूटर से एकत्रित किए गए डेटा में राईडिंग के व्यवहार, सुरक्षा उपायों और आवागमन की आदतों का खुलासा हुआ है। डेटा में सामने आया कि मुंबई के मुकाबले बैंगलुरू के राईडर अचानक ब्रेक चार गुना अधिक लगाते हैं। इससे शहर में ज्यादा अप्रत्याशित ट्रैफिक और बार-बार रुकने और चलने की परिस्थिति प्रदर्शित होती है।

एथर एनर्जी के चीफ बिजनेस ऑफिसर, रवनीत फोकेला ने कहा, "टू-व्हीलर भारत में सबसे अधिक व्यापक स्तर पर इस्तेमाल किए जाने वाले व्यक्तिगत मोबिलिटी समाधान हैं। लेकिन लोग दैनिक राईड किस प्रकार करते हैं, इसकी रियल-टाईम विजिबिलिटी बहुत कम है। हमारी ईयर-एंड राईडिंग इनसाईट प्रदर्शित करती है कि सॉफ्टवेयर आवागमन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है, जो सड़क की परिस्थितियों के मुताबिक राईडर्स को बेहतर प्रतिक्रिया देने, राईडिंग के व्यवहार की निगरानी करने तथा सुरक्षा बढ़ाने में समर्थ बनाता है।"

फोकेला ने कहा कि कनेक्टेड फीचर्स लगातार तेजी से अपनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, "वित्तवर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में हमारे 88 प्रतिशत ग्राहकों ने हमारा कनेक्टेड सॉफ्टवेयर संग्रह, एथरस्टैक प्रो भी खरीदा। इससे प्रदर्शित होता है कि राईडर्स सॉफ्टवेयर को केवल एक एड-ऑन नहीं मानते हैं, बल्कि ऐसी टेक्नोलॉजी अपनाना चाहते हैं, जो उनके दैनिक आवागमन के अनुभव को और अधिक बेहतर बना दे।"

डेटा में सामने आया कि राईडर सॉफ्टवेयर का उपयोग नैविगेशन और सुरक्षा के अलावा भी कर रहे हैं। महिला वर्ल्ड कप फाईनल के दौरान 31,000 से अधिक राईडर्स ने लाईव मैच स्कोर अपने स्कूटर के डैशबोर्ड पर देखा। इससे प्रदर्शित होता है कि कनेक्टेड इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर किस प्रकार दैनिक जीवन में शामिल होकर एक इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म बनते जा रहे हैं।

विभिन्न शहरों में हॉर्न बनाने के पैटर्न में भी काफी अंतर था। कोलकाता में हॉर्न देश में सबसे अधिक बजाया गया। यहाँ पर हर घंटे औसतन 131 बार हॉर्न बजाया गया। इससे इस शहर में घना ट्रैफिक और काफी तेज आवाज में सिग्नल देने की आदत प्रदर्शित होती है। इसके विपरीत, पुणे और हैदराबाद जैसे शहर सबसे अधिक शांत शहरों में थे, जिससे यहाँ राईडिंग के लिए ज्यादा शांत और प्रत्याशित वातावरण प्रदर्शित होता है। दक्षिण भारत में टियर 2 शहरों और छोटे शहरों में भी राईडिंग का स्थिर व्यवहार प्रदर्शित हुआ, जहाँ अचानक ब्रेक लगाने और हॉर्न बजाने की तीव्रता कम रही।

सुरक्षा से संबंधित सॉफ्टवेयर फीचर्स का उपयोग भी रोज बढ़ रहा है। एथर का फॉलसेफ सिस्टम स्कूटर के गिरने पर मोटर की पॉवर को अपने आप काट देता है। मुंबई और बैंगलुरू में यह फीचर कम बार एक्टिवेट हुआ। औसतन प्रति स्कूटर हर दो साल में केवल एक बार एक्टिवेट हुआ। इसके मुकाबले, दिल्ली और हैदराबाद जैसे शहरों में इस फीचर की एक्टिवेशन दर ज्यादा दर्ज हुई। इससे सड़क की परिस्थितियों, ट्रैफिक के घनत्व और राईडिंग के स्टाईल में अंतर प्रदर्शित होता है। कनेक्टेड फीचर, लाईव लोकेशन शेयरिंग सुरक्षा बढ़ाने और लोकेशन की जानकारी देने के लिए डिजाईन किया गया है। इसका उपयोग ज्यादा ट्रैफिक वाले शहरों में अधिक हुआ। आगरा, कोटा और नई दिल्ली के राईडर्स ने अपनी लाईव लोकेशन पोर्वोरिम और रामनगर जैसे छोटे व शांत शहरों के मुकाबले दो से तीन गुना ज्यादा बार शेयर की।

ये जानकारियाँ प्रदर्शित करती हैं कि भारत में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर का बाजार हार्डवेयर और इलेक्ट्रिफिकेशन से आगे बढ़ रहा है। अचानक ब्रेक लगाने, हॉर्न बजाने, सेफ्टी फीचर्स के उपयोग और लाईव लोकेशन शेयरिंग का शहरवार डेटा देश में सड़क की बदलती परिस्थितियों और शहरों के ट्रैफिक में राईडर्स के लिए सॉफ्टवेयर की बढ़ती भूमिका को प्रदर्शित करता है।

'द यश मंगलम शो' की नई लघु फिल्म 'वंदे मातरम' में देशभक्ति के प्रखर जज्बे की जय-जयकार

"गणतंत्र दिवस" पर मायानगरी मुंबई में हुआ लोकार्पण

मुंबई, 27 जनवरी। हमारे प्रिय भारत के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में इंटरनेट के लोकप्रिय माध्यम यू-ट्यूब पर एक सुरुचिपूर्ण लघु फिल्म "वंदे मातरम" द्वारा कलात्मक पदार्पण कर इस अमर राष्ट्रीय गीत के सृजन के 150 गौरवशाली वर्षों का शानदार जश्न एक अनूठे और यादगार अंदाज में मनाया गया। पिछले दिनों जारी विभिन्न लघु फिल्मों को मिली निरंतर सफलता के बाद सृजनात्मक उत्कृष्टता के एक सशक्त ब्रांड के रूप में लोकप्रिय होते जा रहे "द यश मंगलम शो" की नवीनतम कड़ी के रूप में इस लघु फिल्म " वंदे मातरम" का लोकार्पण 26 जनवरी, 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश की आर्थिक राजधानी और मायानगरी मुंबई में किया गया। इस लघु फिल्म में भारत माँ के हर सपूत के अंतर्मन में बसे देशभक्ति के प्रखर जज्बे की शानदार जय-जयकार कलात्मक शैली में की गई है।

एक अनूठी सृजनात्मक पहल के अंतर्गत "वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई" द्वारा "महतपुरकर एंड मंगलम फाउंडेशन" के बैनर तले नवसृजित यह अद्भुत लघु फिल्म "वंदे मातरम" सोशल मीडिया के सबसे सशक्त प्लेटफॉर्म यू-ट्यूब पर मौजूद सुरुचिपूर्ण चैनल "द यश मंगलम शो' के अंतर्गत अपलोड की गई है, जो अपने अनूठे कंटेंट और प्रस्तुतीकरण के विलक्षण अंदाज के लिए काफी लोकप्रिय है और व्यापक तौर पर सराहा जाता रहा है। इससे पहले इस लोकप्रिय शो की "धरोहर: ए पोएटिक सागा", "शिल्पकार", "योगा रिट्रीट", "सेहत के रखवाले", *कारगिल विजय दिवस- ए पोएटिक सागा, "मैं भारत हूँ..!", "पथ प्रदर्शक"* और " द लीगेसी ऑफ मैथेमेटिक्स" जैसी प्रभावशाली कड़ियाँ यू-ट्यूब पर काफी अच्छा प्रतिसाद पा चुकी हैं। इस शो के जोशीले और युवा शो-बॉय यश मंगलम हैं, जो सिर्फ. 15 वर्ष की आयु में ही अपनी दमदार आवाज, आकर्षक व्यक्तित्व और सशक्त प्रस्तुतीकरण से अपनी शानदार शैली की बदौलत शो-बिज की दुनिया में अपने पैर जमा रहे हैं। इस विशेष लघु फिल्म का प्रभावशाली लेखन मुंबई के सुपरिचित गीतकार, मंच संचालक तथा मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार गजानन महतपुरकर ने किया है, जिसमें वंदे मातरम गीत के इतिहास, सृजन और इसके राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न पहलुओं को बखूबी पिरोया गया है।

उल्लेखनीय है कि गजानन महतपुरकर द्वारा लिखी गई 10 से अधिक लघु फिल्में पहले ही यू-ट्यूब पर धूम मचा चुकी हैं। इसी क्रम में अब नवीनतम लघु फिल्म के जरिये गजानन महतपुरकर की सशक्त लेखनी और सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक अनुपम मंगलम के कुशल निर्देशन का कमाल यू-ट्यूब पर लोकप्रिय हो रहा है। इस सशक्त, प्रभावशाली और संवेदनशील लघु फिल्म को अपने कुशल निर्देशन के जरिये पर्दे पर उतारने का दायित्व बखूबी निभाया है, मुंबई के विज्ञापन एवं फिल्म जगत के भरोसेमंद निर्देशक अनुपम मंगलम ने, जिनको पिछले 25 सालों में 300 से ज्यादा विज्ञापन फिल्में बनाने का समृद्ध अनुभव प्राप्त है। इस नवसृजित लघु फिल्म का भावपूर्ण पार्श्व संगीत समीर पखाले ने दिया है। वीडियोग्राफी संजय वैष्णव, वी एफ एक्स संयोजन गिनीलाल सालुंके, पार्श्व गायन सुश्री धारणा पाहवा, कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग कला मंगलम और एडिटिंग प्रताप शिंदे द्वारा सुनिश्चित की गई है। इसके एसोसिएट प्रोड्यूसर राजीव भार्गव और क्रिएटिव डायरेक्टर अरविंदो रंजन दास हैं। पोस्ट प्रोडक्शन "वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई" ने किया है। गणतंत्र दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर जारी इस विशेष लघु फिल्म को सोशल मीडिया पर काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और इसकी विलक्षण गुणवत्ता को बड़े पैमाने पर सराहा जा रहा है। इस लघु फिल्म की प्रमुख पंक्तियाँ कुछ इस तरह रची गई हैं :-

"वंदे मातरम, विविधता में एकता की सुंदर सद्भावना की पहचान है..! कश्मीर से कन्याकुमारी तक, हमारी राष्ट्रीय अखंडता की आन-बान-शान है..! वंदे मातरम, हिन्दुस्तान की सीमाओं पर तैनात जवानों के जज्बे में है, किसानों के पसीने से सींची हुई लहलहाती फसलों में है, उपग्रह के प्रक्षेपण से लेकर तकनीकों की नयी उड़ान में है, हिंदुस्तान के हर संस्थान में है, क ख ग से लेकर कम्प्यूटर कोडिंग के व्याकरण में है..! संगीत, कला, साहित्य, संस्कृति से लेकर गणित के हर समीकरण में है..! यह भारतीय अस्मिता का स्वाभिमानी अनुनाद है और नये दौर के नव भारत का आत्मिक शंखनाद है..! वंदे मातरम..हर हिन्दुस्तानी के वजूद का अमिट हस्ताक्षर है..! देशभक्ति के रजत पटल का जॉबाज स्वर्णाक्षर है..!"

यह लघु फिल्म इस यू-ट्यूब लिंक पर देखी जा सकती है :-
https://youtu.be/xK3iGGbwJGc?si=RyuDRWXV2OeJnJv5

एस. आर. ग्लोबल स्कूल के 250 विद्यार्थियों ने गणतंत्र दिवस परेड में निभाई गौरवपूर्ण भूमिका

लखनऊः एस. आर. ग्लोबल स्कूल, बख्शी का तालाब, लखनऊ में 77वाँ गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के 250 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्तर प्रदेश विधान सभा, लखनऊ में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में विद्यालय के बैंड के साथ सराहनीय सहभागिता कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

विद्यालय परिसर में आयोजित मुख्य समारोह में वाइस चेयरपर्सन श्री पीयूष सिंह चौहान द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में छात्र-छात्राओं को देशभक्ति, अनुशासन, राष्ट्रीय एकता एवं नागरिक कर्तव्यों का महत्व समझाते हुए उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर अधिशासी निदेशक श्रीमती मोनिका तिवारी, प्राचार्य श्री चन्द्रकुमार ओझा, उपप्राचार्या श्रीमती शालिनी श्रीवास्तव, अकादमिक प्रभारी श्री दीपक सिंह, डॉ. रिताम्बरा तिवारी सहित समस्त शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया और वातावरण को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया।

समारोह का समापन मिष्ठान वितरण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ।

लौलाई काशीराम कॉलोनी प्राथमिक विद्यालय में 77वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया

लखनऊ, लौलाई काशीराम कॉलोनी स्थित प्राथमिक विद्यालय में 26 जनवरी को 77वां गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसके बाद राष्ट्रगान गाया गया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती संतोष सक्सेना, सहायक अध्यापक/ए.आर.पी शन्नो राय, सहायक अध्यापक शालिनी मिश्रा एवं सुमन सिंह, शिक्षा मित्र सुनीता यादव, अमरजीत जी, विद्यालय के छात्र-छात्राएं तथा अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बच्चों द्वारा देशभक्ति गीत, कविताएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्हें उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। वक्ताओं ने अपने संबोधन में गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को संविधान, अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी दी।

कार्यक्रम के अंत में प्रधानाध्यापिका श्रीमती संतोष सक्सेना ने सभी शिक्षकों, छात्रों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डालमिया भारत फाउंडेशन ने गणतंत्र दिवस पर ग्रामीण आजीविका एवं डिजिटल सशक्तिकरण को मजबूत किया

लखनऊ, 27 जनवरी 2026: डालमिया भारत लिमिटेड की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) शाखा, डालमिया भारत फाउंडेशन (डीबीएफ) ने उत्तर प्रदेश के निगोही और हरदोई में प्रभावशाली सामुदायिक पहलों के साथ स्थायी आजीविका और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए गणतंत्र दिवस 2026 मनाया।

निगोही स्थित डालमिया भारत शुगर प्लांट परिसर में, डीबीएफ टीम ने अपने प्रमुख 'ग्राम परिवर्तन कार्यक्रम' के तहत नौ सूक्ष्म उद्यमों का उद्घाटन किया जिसका उद्देश्य ग्रामीण परिवारों के बीच आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। इन नए सूक्ष्म उद्यमों में शामिल हैं: 7 ई रिक्शा, एक कास्मेटिक की दुकान और एक किराना दुकान।

इस कार्यक्रम में प्लांट हेड श्री कुलदीप कुमार, एचआर हेड श्री आदित्य मोहन गुप्ता और केन हेड श्री आशीष बंसल के साथ-साथ डीबीएफ निगोही टीम के अधिकारी उपस्थित रहे।

आजीविका से जुड़ी इन पहलों से लाभार्थियों को सालाना ₹1,00,000 से ₹1,50,000 तक कमाने में मदद मिलने की उम्मीद है, जिससे उनकी आय में स्थिरता, बेहतर वित्तीय सुरक्षा और दीर्घकालिक आजीविका सुनिश्चित होगी।

इसके साथ ही, डीबीएफ ने हरदोई जिले के गंगापुर गांव में 'वाओ बस' कार्यक्रम के माध्यम से डिजिटल समावेशन पर अपना ध्यान केंद्रित रखना जारी रखा। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर, प्रमिला देवी शिशु शिक्षण संस्थान में 45 छात्रों को डिजिटल साक्षरता प्रमाणपत्रों से सम्मानित किया गया।

16 अक्टूबर 2025 को शुरू हुई इस पहल के तहत अब तक 135 बच्चों को प्रशिक्षित किया जा चुका है, जबकि 75 बच्चे वर्तमान में प्रशिक्षण ले रहे हैं। यह कार्यक्रम 14 वर्ष से अधिक आयु के ग्रामीण युवाओं को आवश्यक डिजिटल कौशल से लैस कर रहा है। इस कार्यक्रम में डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, गंगापुर के यूनिट हेड श्री अतुल अग्रवाल, एचआर हेड श्री विजय शंकर उपाध्याय, गंगापुर के प्रधान श्री रामगोपाल द्विवेदी और प्रधानाध्यापक श्री मनोज कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, डालमिया भारत फाउंडेशन के सीईओ श्री अशोक गुप्ता ने कहा: ह्लडालमिया भारत में हमारा ध्यान समुदायों के लिए टिकाऊ और समावेशी विकास के रास्ते बनाने पर केंद्रित है। 'वाओ बस' डिजिटल साक्षरता पहल और 'ग्राम परिवर्तन कार्यक्रम' जैसी योजनाओं के माध्यम से, हमारा लक्ष्य आजीविका को मजबूत करना, वित्तीय सुरक्षा को बढ़ावा देना और ग्रामीण युवाओं को तेजी से बदलती दुनिया के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना है। हम समुदायों को आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार बनाने हेतु उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं ह्व

आजीविका सृजन और डिजिटल शिक्षा से जुड़ी अपनी पहलों के माध्यम से, डालमिया भारत फाउंडेशन स्थायी आय के अवसर पैदा कर और ग्रामीण युवाओं को भविष्य के लिए आवश्यक कौशलों से लैस कर समुदायों को सशक्त बनाना जारी रखे हुए है। इस प्रकार, फाउंडेशन अपने सेवा क्षेत्रों में समावेशी और सुदृढ़ विकास में सार्थक योगदान दे रहा है।

स्वॉट प्रभारी अजय वर्मा को शौर्य के लिए मिला मुख्यमंत्री वीरता पदक

सैंकड़ों लोगों की हत्या करने वाले एक लाख के ईनामी पिशाच फाती को मुठभेड़ में किया था ढेर -दर्जनों एनकाउंटर करके अपराधियों के जेहन में अजय ने बैठाया है कानून का खौफ

मथुरा (जीएनएस)। जनपद में तैनात स्वॉट टीम प्रभारी की निर्भिक कार्यशैली और अपराधियों के जेहन में कानून का खौफ पैदा कराने वाले अजय वर्मा को मुख्यमंत्री वीरता पदक देकर सम्मानित किया गया है। जानकारी के अनुसार वर्तमान में स्वॉट टीम प्रभारी अजय वर्मा, निष्पक्ष और निडरता के साथ अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते रहे हैं। इसी का परिणाम है कि मथुरा से लखनऊ तक उनकी निडर और निष्पक्ष कार्यशैली के कारण उनका नाम पूरे सम्मान के साथ पहुंचा है।

विगत सोमवार को गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्वॉट टीम प्रभारी अजय वर्मा को साहसिक एवं निडर कार्यों के लिए मुख्यमंत्री वीरता पदक देकर सम्मानित किया गया है। स्वॉट प्रभारी को मुख्यमंत्री वीरता पदक मिलने पर जनपद के अधिकारी एवं पुलिसकर्मियों ने इसे जनपद पुलिस का सम्मान एवं गौरवान्वित करने वाला क्षण बताते हुए अजय वर्मा को बधाई दी हैं। तेजतर्रार कार्यशैली के रखने वाले स्वॉट टीम प्रभारी अजय वर्मा हमेशा अपराध और अपराधियों के खिलाफ सख्त रूख रखते हैं। इसी कारण अपराधियों में भी उनके नाम भय बना हुआ है। बता दें कि मुख्यमंत्री वीरता पदक से सम्मानित किए गए स्वॉट टीम प्रभारी अजय वर्मा ने थाना हाईवे क्षेत्र स्थित एटीवी के पीछे तीन सैंकड़ा निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या करने वाले एक लाख के इनामी बावरिया गैंग के सरगना नर-पिशाच बदमाश असद उर्फ फाती को एनकाउंटर में ढेर किया था। इससे पूर्व वर्ष 2023 में थाना प्रभारी जैंत एवं रीवार्डेड टीम प्रभारी रहते हुए उन्होंने एक लाख के इनामी कुख्यात बदमाश रोहताश गुर्जर को मुठभेड़ में लंगड़ा करके गिरफ्तार किया था। इसके लिए भी अजय वर्मा को डीजीपी द्वारा प्रशंसा चिन्ह सम्मानित किया गया था। थाना प्रभारी जैंत रहते हुए उन्होंने करीब 19 अपराधियों को और इसके बाद थाना प्रभारी रिफाइनरी रहते हुए 11 अपराधियों एनकाउंटर में लंगड़ा करके गिरफ्तार किया है। तेजतर्रार स्वॉट प्रभारी अजय वर्मा की निडर एवं निष्पक्ष कार्यशैली को लेकर ही उन्हें मुख्यमंत्री वीरता पदक से सम्मानित किया गया है।

गणतंत्र दिवस पर कारागार अधीक्षक ने मुकुल शर्मा को किया सम्मानित

मथुरा (जीएनएस)। जिला कारागार प्रशासन ने 77-वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर समाजसेवी मुकुल शर्मा को सम्मानित किया है। कारागार अधीक्षक अंशुमन गर्ग ने मुकुल शर्मा को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया। जानकारी के अनुसार मुकुल शर्मा उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति (लखनऊ) के पदाधिकारी हैं, तथा समय-समय पर कारागार में बंद बंदियों के हितों के लिए विभिन्न कार्य करते रहे हैं। इनमें बंदियों के कल्याण, सुधार और सामाजिक पुनर्वास से जुड़ी गतिविधियां शामिल हैं। इस अवसर पर कारागार अधीक्षक अंशुमन गर्ग ने

मुकुल शर्मा द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की सराहना की और कहा कि ऐसे प्रयास बंदियों में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह सम्मान हर वर्ष की तरह इस बार भी समाजसेवीयों और उन लोगों को दिया गया जो जेल सुधार और अपराध निरोधक कार्यों में योगदान दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के माध्यम से मुकुल शर्मा जैसे पदाधिकारी विभिन्न जेलों में कैदियों को प्रेरित करने और उनके पुनर्वास में सक्रिय रहते हैं। यह पहल कारागार प्रशासन की ओर से समाज और कैदियों के बीच सकारात्मक सेतु बनाने की दिशा में सराहनीय कदम है।

वेस्टबंगाल-असम रूट पर वंदे भारत स्लीपर में जल्द शुरू होगा नानवेज मील

(जीएनएस)। असम और पश्चिम बंगाल विधानसभा 2026 चुनाव से पहले रेलवे ने यात्रियों को बड़ा तोहफा दिया है। हावड़ा-कामाख्या रूट पर चलने वाली भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में अब जल्द ही नॉन-वेज खाना मिलना शुरू हो जाएगा। ईस्टर्न रेलवे (एफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की है।

यह फैसला उन यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पर आया है, जो कहते थे कि इस रूट पर नॉन-वेज की परंपरा बहुत मजबूत है, फिर भी ट्रेन में सिर्फ शाकाहारी भोजन मिल रहा था। आइए जानते हैं इस बदलाव की पूरी कहानी, कब से शुरू होगा नॉन-वेज और यात्रियों को क्या फायदा मिलेगा...

ओवरनाइट जर्नी में अब नया ट्विस्ट

हावड़ा (कोलकाता) से कामाख्या (गुवाहाटी) के बीच चलने वाली यह भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जनवरी 2026 को इसकी हरी झंडी दिखाई थी। ट्रेन ने 22 जनवरी को कामाख्या से और 23 जनवरी को हावड़ा से अपना नियमित कमर्शियल संचालन शुरू किया। यह ट्रेन हफ्ते में छह दिन चलती है।

ट्रेन में शुरूआत से ही सिर्फ शाकाहारी भोजन मिल रहा था। क्षेत्रीय स्वाद को ध्यान में रखते हुए असमिया और बंगाली व्यंजन परोसे जाते थे, लेकिन इनमें मछली और मांस जैसी नॉन-वेज डिशेज नहीं थीं। कई यात्रियों ने इसकी आलोचना की।

उनका कहना था कि असम और पश्चिम बंगाल के बड़े हिस्से में नॉन-वेज खाने की परंपरा बहुत पुरानी और मजबूत है। ऐसे में सिर्फ शाकाहारी भोजन पर जोर देना यात्रियों की पसंद के खिलाफ लग रहा था।

ईस्टर्न रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने ढळक को बताया, 'वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के मेन्यू में लगभग एक हफ्ते के अंदर नॉन-वेज खाने के ऑप्शन मिलने की संभावना है।' यह बदलाव यात्रियों की मांग और क्षेत्रीय खान-पान की परंपरा को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। रेलवे ने कहा कि ट्रेन में मिलने वाला खाना हमेशा से क्षेत्रीय स्वाद पर आधारित रहा है:

कामाख्या से चलने वाली ट्रेनों में असमिया व्यंजन

हावड़ा से चलने वाली सेवाओं में पश्चिम बंगाल का स्थानीय खाना

अब इनमें मछली और मांस वाली डिशेज भी शामिल होंगी।

अन्य प्रीमियम ट्रेनों में पहले से मिलता है नॉन-वेज

रेलवे ने स्पष्ट किया कि राजधानी एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस और वंदे भारत डे सर्विस जैसी अन्य प्रीमियम ट्रेनों में पहले से ही नॉन-वेज खाना उपलब्ध है। वंदे भारत स्लीपर में यह कमी अब पूरी होने जा रही है।

चुनाव से पहले यह बदलाव क्यों महत्वपूर्ण?

असम और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। इस रूट पर यात्रा करने वाले लाखों यात्री नॉन-वेज खाने की मांग कर रहे थे। रेलवे का यह फैसला यात्रियों की संतुष्टि के साथ-साथ क्षेत्रीय संवेदनशीलता को ध्यान में रखने का संकेत है। यह कदम चुनाव से पहले लोगों में सकारात्मक संदेश दे सकता है।

यात्रियों के लिए क्या मतलब?

अब ओवरनाइट सफर में नॉन-वेज ऑप्शन मिलेगा।

असमिया और बंगाली नॉन-वेज व्यंजन शामिल होंगे।

ट्रेन में खाने की क्वालिटी और वैरायटी बढ़ेगी।

रेलवे ने कहा है कि बदलाव अगले एक हफ्ते में लागू हो जाएगा। यात्रियों को ट्रेन में उपलब्ध मेन्यू चेक करना होगा।

यह बदलाव वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को और लोकप्रिय बनाने वाला कदम है। यात्रियों की मांग पर रेलवे ने तुरंत कार्रवाई की, जो सेवा में सुधार का अच्छा संकेत है। अब बस इंतजार है कि कब से नॉन-वेज मेन्यू ट्रेन में आता है।

हत्या कर शव को यमुना में फेंकने वाला हत्यारोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे : अवैध संबंध में की गई थी हत्या

मथुरा (जीएनएस)। थाना जमुनापार क्षेत्र स्थित बरेली हाईवे के सिहोरा कट के पास से पुलिस ने हत्या करके फरार चल रहे एक हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी जमुनापार विदेश कुमार पुलिस टीम के साथ हत्या करके शव को यमुना में फेंक कर फरार चल रहे हत्यारोपियों को गिरफ्तार करने के लिए दबिशें दे रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि हत्या करके फरार चल रहा एक हत्यारोपी कहीं भागने की फिराक में बरेली हाईवे के सिहोरा कट के पास खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विदेश कुमार पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे हत्यारोपी सोनू पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी उमा वाटिका थाना

जमुनापार, मूल निवासी गांव दौताना थाना छाता को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए हत्यारोपी की निशानदेई से हत्या में प्रयुक्त किया गया एक बिजली का तार और स्कूटी बरामद की है। बताते चलें कि 45 वर्षीय रणधीर पुत्र स्व. गीतम सिंह की पकड़ा गया हत्यारोपी सोनू पुत्र महेन्द्र ने हत्या करने के बाद शव यमुना में फेंक दिया था। पुलिस द्वारा की जांच में पता चला कि मृतक रणधीर के पकड़े गए हत्यारोपी की मां से अवैध थे। जब इस बारे में हत्यारोपी और उसके पिता को जानकारी हुई तो हत्यारोपी सोनू की मां ने अपने आपको पाक-साफ बताते हुए मृतक द्वारा जबरदस्ती करना बताया था। इसके बाद हत्यारोपी सोनू और उसके पिता ने मृतक रणधीर सिंह की हत्या करने की योजना बनाई थी। हत्यारोपी की मां भी इस योजना में शामिल हो गई थी। योजनानुसार विगत 18 जनवरी को हत्यारोपी सोनू ने मृतक रणधीर सिंह के साथ उमा वाटिका में बैठकर शराब पी थी। इसके बाद हत्यारोपी सोनू और उसके पिता तथा मां ने रणधीर सिंह का गला दबाकर हत्या कर दी थी। हत्या करने के बाद हत्यारोपी ने अपने पड़ोसी की स्कूटी मांगकर शव को एक बोरी में रखकर यमुना में फेंक दिया था। पुलिस ने पकड़े गए हत्यारोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

राजकीय बालिका संरक्षण गृह से भागीं पांच किशोरी : पुलिस-प्रशासन में मचा हड़कंप

-दो किशोरी पहुंची अपने घर, तीन की तलाश जारी

मथुरा (जीएनएस)। वृंदावन स्थित राजकीय बालिका संरक्षण गृह से सोमवार रात्रि में पांच किशोरी फरार हो गईं। किशोरियों के गायब होते ही बालिका संरक्षण गृह में हड़कम्प मच गया। राजकीय बालिका संरक्षण गृह की अधीक्षिका ने घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने फरार हुईं किशोरियों की तलाश तेज कर दी। जानकारी के अनुसार वृंदावन में चैतन्य विहार स्थित राजकीय बालिका संरक्षण गृह की अधीक्षिका गायत्री मिश्रा ने बताया कि सोमवार रात्रि में करीब 11 बजे संरक्षण गृह में रह रही पांच किशोरी गायब हो गई हैं। सूचना मिलते ही एसएसपी श्लोक कुमार और समाज कल्याण अधिकारी मौके पर पहुंच गए संरक्षण गृह का निरीक्षण किया। सदन प्रभारी गायत्री मिश्रा ने बताया कि सोमवार रात्रि में थाना महावन क्षेत्र के गांव चौथाईया निवासी, थाना नौहझील क्षेत्र के गांव बाहादगढ़ी निवासी, दिल्ली स्थित पहाड़गंज के मुल्तानी बाड़ा और अलीगढ़ के पनेठी निवासी किशोरी राजकीय बालिका संरक्षण गृह से छिपकर भाग गईं। बताया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में फरार हुईं किशोरियां कंबल ओढ़कर जाती हुईं दिख रही हैं। इस संबंध में एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि पुलिस टीम आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देख रही है। उन्होंने बताया कि दो किशोरी बरामद कर ली हैं तथा तीन किशोरियों की पुलिस टीम तलाश कर रही है। सरंक्षण गृह से भागी किशोरियों को बरामद करने के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं तथा उनके परिजनों से भी संपर्क किया गया है। राजकीय बालिका सरंक्षण गृह से किशोरियों के भागने की घटना को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी ने संरक्षण गृह की सुरक्षा-व्यवस्था को सख्त करने के निर्देश दिए हैं।

भारत-ईयू समझौता विकसित भारत की नींव: श्री शिवराज सिंह चौहान

वर्षों से लंबित डील की परिकल्पना को प्रधानमंत्री मोदी ने साकार किया : श्री शिवराज सिंह चौहान

(एजेंसी)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रायपुर में भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह समझौता केवल एक व्यापारिक करार नहीं, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक नेतृत्व और आर्थिक सामर्थ्य का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, जो भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। भारत के लिए महत्वपूर्ण कृषि उत्पाद—जैसे चाय, कॉफी, मसाले, टेबल अंगूर, खीरा और अचार वाली खीरा, सूखे प्याज, मीठा मक्का, चुनिंदा फल-सब्जियां और प्रोसेस्ड फूड—को इस समझौते से बड़ा लाभ होगा। प्रमुख क्षेत्रों में आपसी संवेदनशीलता का सम्मान करते हुए यह समझौता निर्यात वृद्धि को घरेलू प्राथमिकताओं के साथ संतुलित करता है और दोनों पक्षों के किसान समुदायों

के लिए लाभ सुनिश्चित करता है। भारतीय कृषि के लिए यह एक बड़ा कदम है और देश के किसान समुदाय को बधाई है।

उन्होंने कहा कि आज भारत सिर्फ स्वयं आगे नहीं बढ़ रहा है, बल्कि पूरी दुनिया को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है। यह समझौता भारतीय किसानों, कृषि उत्पादों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा। भारत की कृषि शक्ति आज विश्व के सामने है—भारत चावल उत्पादन में पहले स्थान पर पहुंच चुका है और हमारी कृषि विकास दर ने हरित क्रांति के दौर को भी पीछे छोड़ दिया है।

फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर विस्तार से बात करते हुए श्री चौहान ने कहा कि भारत-यूरोपियन यूनियन के बीच हुआ यह समझौता कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, निर्यात और निवेश के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा। इससे भारतीय कृषि उत्पादों को यूरोपीय बाजारों में बेहतर पहुंच मिलेगी, किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यह समझौता आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की दिशा में एक मजबूत और दूरगामी कदम है।

श्री चौहान ने कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं। घटिया पेस्टिसाइड और नकली बीज किसानों की कमर तोड़ देते हैं, इसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी दिशा में सरकार एक सख्त पेस्टिसाइड अधिनियम और नया बीज अधिनियम लाने जा रही है, ताकि किसानों को गुणवत्तापूर्ण इनपुट और सुरक्षित भविष्य मिल सके।

उन्होंने आगे कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए रोजगारयुक्त, गरीबी मुक्त और स्वावलंबी गांवों का निर्माण आवश्यक है। इसी संकल्प के तहत 'विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम' देश में लागू किया जा रहा है, जिससे गांव संपूर्ण विकसित ग्राम के रूप में उभर सकेंगे और ग्रामीण भारत विकास की मुख्यधारा में मजबूती से खड़ा होगा।

काला कानून : यूजीसी के विरोध में कलैक्ट्रेट पर हुआ जोरदार प्रदर्शन : मोदी सरकार से की यूजीसी बिल वापस लेने की मांग

मथुरा (जीएनएस)। जिला कलैक्ट्रेट स्थित डीएम कार्यालय पर विभिन्न संस्थाओं ने यूजीसी के काले कानून के विरोध में केन्द्र की मोदी सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। यूजीसी के काले कानून का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों ने एकतरफा बनाए इस काले कानून को वापस लेने की मांग की है। इस बीच परशुराम शोभायात्रा समिति, वामन भगवान महोत्सव समिति, अखिल भारतीय गौड़ मंडल समेत अन्य संस्थाओं ने विरोध करते हुए ज्ञापन सौंपा है। इस संबंध में परशुराम शोभा यात्रा के राष्ट्रीय सचिव रामगोपाल शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा बनाया गया यूजीसी का यह काला कानून, सवर्ण समाज के साथ घोर अन्याय है। उन्होंने कहा कि सवर्ण समाज के बच्चों के साथ विश्वविद्यालयों में शुरू से ही अन्याय होता आ रहा है। कई विश्वविद्यालयों

में तिलक, तराजू और तलवार इनमें मारो जूते चार, जैसे नारे लगाए गए तथा ऐसे लोगों को यूजीसी में शामिल किया गया है। कहा कि अब मोदी सरकार द्वारा बनाए गए इस कानून के बाद स्थिति और ज्यादा खराब हो जाएगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एससी-एसटी और ओबीसी को यूजीसी में शामिल किया गया है, उसी प्रकार सामान्य वर्ग को भी यूजीसी में शामिल किया जाए, जिससे कि वह भी अपनी बात यूजीसी के माध्यम से रख सके। वहीं संजय हरियाणा ने कहा कि यूजीसी का यह काला कानून, शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करेगा और सामान्य वर्ग के छात्रों के अधिकारों का हनन करेगा। इसीक्रम में गजेन्द्र शर्मा ने कहा कि यह कानून एकतरफा है और इससे समाज में असमानता बढ़ेगी। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि मोदी सरकार को इस काले कानून को तत्काल वापस लेना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान गौरव शर्मा ने कहा कि यूजीसी के इस काले कानून से छात्रों में आक्रोश है। कहा कि इसे वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस बीच प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकताओं ने मोदी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

इंडिया एनर्जी वीक 2026: हाइड्रोजन जोन का उद्घाटन, भारत की निम्न-कार्बन ऊर्जा भविष्य यात्रा को नया आयाम मिला

(एजेंसी)।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने आज गोवा में आयोजित इंडिया एनर्जी वीक 2026 के उद्घाटन समारोह के उपरांत हाइड्रोजन जोन का उद्घाटन किया। ऑयल इंडिया द्वारा आयोजित इस हाइड्रोजन जोन में अत्याधुनिक हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों और नवोन्मेषी समाधानों का प्रदर्शन किया गया है, जो भारत के निम्न-कार्बन उत्सर्जन वाले भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

यह जोन हाइड्रोजन के उत्पादन, भंडारण एवं उपयोग से जुड़ी नवाचारपूर्ण गतिविधियों को एक मंच पर प्रस्तुत करता है, जिससे आगंतुकों को उन विविध मार्गों का समग्र दृष्टिकोण प्राप्त होता है, जो वैश्विक स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति प्रदान कर रहे हैं।

चुनिंदा प्रदर्शनियों और उद्योग जगत की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से, हाइड्रोजन जोन एक केंद्रित व ज्ञानवर्धक मंच प्रदान करता है, जिससे यह समझ विकसित होती है कि हाइड्रोजन किस प्रकार शोधन, उर्वरक, इस्पात एवं गतिशीलता जैसे कठिन-से-कार्बनमुक्त किए जाने वाले क्षेत्रों को डीकार्बनाइज कर सकता है। साथ

ही यह भारत को उभरते वैश्विक हाइड्रोजन बाजारों में एक प्रतिस्पर्धी, सशक्त और विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित करने में सहायक है।

हाइड्रोजन जोन, इंडिया एनर्जी वीक 2026 के रणनीतिक रूप से अभिकल्पित ग्यारह विषयगत जोन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ये जोन प्रदर्शनी अनुभव के केंद्र में स्थित हैं और नीति निमार्ताओं, उद्योग जगत के अग्रणी नेताओं, निवेशकों तथा प्रौद्योगिकी प्रदाताओं को उनकी प्राथमिकताओं के अनुरूप समाधानों, व्यावसायिक मॉडलों व रणनीतिक साझेदारियों से सीधे जुड़ने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं।

इंडिया एनर्जी वीक की व्यापक प्रदर्शनी का अभिन्न अंग होने के नाते, हाइड्रोजन जोन एक ऐसे प्रभावशाली मंच के रूप में इसकी भूमिका को सुदृढ़ करता है, जहां पर प्रौद्योगिकी, नीतियां और रणनीतिक साझेदारियां एक साथ मिलकर भारत तथा विश्व के लिए सुरक्षित, किफायती एवं टिकाऊ ऊर्जा समाधानों को आगे बढ़ाने में योगदान देती हैं।

इंडिया एनर्जी वीक 2026 में 75,000 से अधिक ऊर्जा पेशेवर, 700 से अधिक कंपनियां और 120 से अधिक देशों के प्रतिनिधि एक साथ भाग ले रहे हैं। इस आयोजन के विषयगत जोन हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटलीकरण एवं एआई, जैव-ईंधन, एलएनजी पारिस्थितिकी तंत्र, शहरी गैस वितरण, पेट्रोकेमिकल्स, मेक इन इंडिया तथा भारत के नेट-जीरो जोन जैसे प्राथमिक क्षेत्रों को कवर करते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें उभरते और नवीन विषयों को भी समाहित होते हैं।

इंडिया एनर्जी वीक के बारे में जानकारी

इंडिया एनर्जी वीक देश का प्रमुख वैश्विक ऊर्जा मंच है, जो सरकारी नेतृत्व, उद्योग जगत के शीर्ष अधिकारियों और नवप्रवर्तकों को एक साथ लाकर सुरक्षित, टिकाऊ एवं किफायती ऊर्जा भविष्य की दिशा में प्रगति को गति प्रदान करता है। एक तटस्थ और अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप में, आईईडब्ल्यू निवेश को प्रोत्साहित करने, नीतिगत समन्वय को सुदृढ़ करने तथा तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य को आकार मिलता है।

डाक विभाग ने पूंजी बाजार सेवाओं तक पहुंच को बढ़ावा देने के लिए स्टॉक होल्डिंग सर्विसेज लिमिटेड के साथ समझौता किया

(एजेंसी)।

भारत सरकार के संचार मंत्रालय के डाक विभाग (डीओपी) ने 27 जनवरी 2026 को नई दिल्ली के डाक भवन में स्टॉक होल्डिंग सर्विसेज लिमिटेड (एसएसएल) के साथ देश भर के नागरिकों के लिए रेगुलेटेड कैपिटल मार्केट सेवाओं तक पहुंच को बढ़ावा देने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। भारतीय डाक ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी अपनी मजबूत मौजूदगी के साथ-साथ 1.65 लाख से ज्यादा डाकघरों के देशव्यापी नेटवर्क के साथ, उन लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने में अहम भूमिका निभाता है, जिन्हें इनकी जरूरत है।

(डाक विभाग और स्टॉक होल्डिंग सर्विसेज लिमिटेड (एसएसएल) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर।

(बाएं से दाएं) श्रीमती राजुल भट्ट, डीडीजी(एफएस), श्रीमती

वंदिता कौल, सचिव (डाक), और श्री प्रभात कुमार दुबे, एमडी और सीईओ, स्टॉक होल्डिंग सर्विसेज लिमिटेड

इस सहयोग का मकसद भारतीय डाक की पहुंच और भरोसे का इस्तेमाल करके संगठित और नियमित पूंजी बाजार में नागरिकों की ज्यादा भागीदारी को बढ़ावा देना है।

इस समझौते के अंतर्गत, नागरिकों को आधिकारिक प्लेटफॉर्म और चुने हुए डाकघर पर उपलब्ध ऑनबोर्डिंग लिंक और क्यूआर कोड जैसी डिजिटल सुविधाओं के जरिए एसएसएल की सेवाओं तक पहुंचने में मदद मिलेगी। इन सेवाओं में डीमैट और ट्रेडिंग अकाउंट खोलना, म्यूचुअल फंड में निवेश, आईपीओ में हिस्सा लेना और दूसरे मंजूर निवेश उत्पाद शामिल हैं।

इस साझेदारी का एक मुख्य केन्द्र वित्तीय जागरूकता और निवेशक शिक्षा है। एसएसएल, डाक विभाग के सहयोग से, फाइनेंशियल मार्केट में सोच-समझकर भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए निवेशक शिक्षा और फाइनेंशियल साक्षरता कार्यक्रम आयोजित करेगा, खासकर पहली बार निवेश करने वालों और ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों के नागरिकों के बीच।